"सरकारी कार्यालयों में हिंदी कार्यों को सुगम बनाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का महत्व" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

आकाशवाणी लखनऊ द्वारा दिनांक 26 दिसंबर, 2024 को एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई जिसमे सुश्री अपर्णा खरे, संयुक्त निदेशक (आईटी), राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एन0आई0सी0), लखनऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा "सरकारी कार्यालयों में हिंदी कार्यों को सुगम बनाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का महत्व" विषय पर व्याख्यान दिया गया| इस सत्र में आकाशवाणी लखनऊ के ५० + अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग लिया गया जिन्हें सरकारी कार्यालयों के कार्यप्रवाह को अधिक कुशल बनाने और विशेष रूप से हिंदी भाषा में कार्यों को सरल और प्रभावी बनाने के लिए उभरते एआई उपकरणों के उपयोग पर जानकारी प्रदान की गई।

सत्र की शुरुआत अनुवाद और लिप्यंतरण के विभिन्न उपकरणों के परिचय से हुई, जिसमें हिंदी में आधिकारिक संचार को सरल बनाने की उनकी क्षमता को उजागर किया गया। 'भाषिणी' मोबाइल ऐप्लिकेशन का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया गया, जिसमें इसके फीचर्स और उपयोगकर्ताओं को सुगम भाषा अनुवाद की सुविधाएं प्रदान करने की इसकी भूमिका को बताया गया। इसके बाद जेमिनी और चैटजीपीटी जैसे संवादात्मक एआई प्लेटफ़ॉर्म्स का प्रदर्शन किया गया, जिसमें उनके वास्तविक समय सहायता और संवादात्मक इंटरफेस के उपयोग को दिखाया गया।

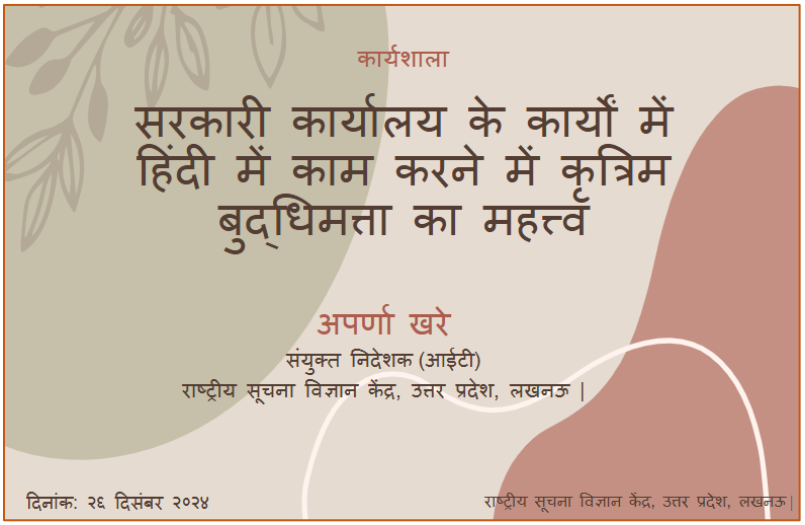

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र

कार्यशाला के दौरान, प्रतिभागियों को इन उपकरणों की व्यावहारिक कार्यक्षमताओं से परिचित कराया गया, जिसमें उनके उपयोग में सरलता और विभिन्न सरकारी कार्यों के लिए उनकी अनुकूलनशीलता को बल दिया गया। चर्चाओं में मुख्य रूप से एआई के मौजूदा सिस्टम्स में एकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया, ताकि दक्षता और पहुँच को बढ़ाते हुए भाषाई शुद्धता सुनिश्चित की जा सके।

कार्यशाला के अंतिम सत्र में एक प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों के प्रश्नों को स्पष्ट किया गया एवं अपने - अपने कार्यक्षेत्र में इन तकनीकों को लागू करने की संभावनाओं पर चर्चा की गई | कार्यशाला का समापन उप महानिदेशक, आकाशवाणी, लखनऊ द्वारा किया गया, जिसमें एन0आई0सी0 को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सत्र के विषय एवं प्रस्तुतिकरण के लिए प्रशंसा व्यक्त की गई।

*****